www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 221 | जौनपुर बुधवार, 01 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

भगवान महावीर के विचार सदैव मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जंयती पर आज मंगलवार को देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आज को गुजरात में महावीर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी समेत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सीएम योगी आदित्यनाथ तथा अन्य कई मुख्यमंत्रियों ने भी महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, "भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पवित्र अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान महावीर का जीवन और शिक्षाएं सत्य, अहिंसा और करुणा के मार्ग को प्रकाशित करती रहती हैं। उनके आदर्श आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी हैं और आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। समानता और दयालुता पर उनका जोर हमें समाज के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है।" एक अन्य पोस्ट में लिखा है, "सत्य, सद्भाव, सद्व्यवहार और समानता पर आधारित भगवान महावीर के संदेशों में अद्भुत प्रेरणा है। उनके महान विचार सदैव मानवता के पथ–प्रदर्शक बने रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "समस्त देशवासियों को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। त्याग, सत्य, अहिंसा के प्रतीक भगवान महावीर ने अपनी तपस्या से संपूर्ण मानव जाति के

कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। उनके विचार पीढ़ियों को मार्ग दिखाते रहेंगे।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की पावन जयंती की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और करुणा के शाश्वत सिद्धांतों से संपूर्ण विश्व को आलोकित करने वाली भगवान महावीर की शिक्षाएं मानवता के लिए अमर पाथेय हैं।" राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "शांति, त्याग और संयम के प्रतीक भगवान महावीर की जयंती पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, हम सब मिलकर उनके 'अहिंसा परमो धर्म' और 'जियो और जीने दो' के संदेश को आत्मसात करें और एक बेहतर समाज का निर्माण करें। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "भगवान महावीर की जयंती की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अस्तेय और ब्रह्मचर्य के सिद्धांत के माध्यम से उन्होंने लोककल्याण की पावन प्रेरणा प्रदान की। उनके चरणों में कोटि–कोटि नमन करता हूं।" दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "आप सभी को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ। अहिंसा, सत्य और "जियो और जीने दो" का मार्ग दिखाने वाले भगवान महावीर स्वामी का जीवन शांति और करुणा की प्रेरणा देता है। प्रभु के सिद्धांत मानवता का मार्ग सदैव प्रशस्त करते रहें।" उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "अहिंसा परमो धमरू अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और करुणा के दिव्य संदेश को जन–जन तक पहुंचाने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।" उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "अहिंसा, करुणा और सत्य के प्रतीक, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की पावन जयंती पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान महावीर के दिव्य उपदेश मानवता को अहिंसा, आत्मसंयम, सदाचार और सामाजिक समरसता के मार्ग पर अग्रसर करते हुए जीवन को श्रेष्ठ, अनुशासित एवं सार्थक बनाने की प्रेरणा देते हैं।" उन्होंने आगे लिखा कि उनका तप, त्याग और करुणा से ओत–प्रोत जीवन मानव–कल्याण की आधारशिला है। उनकी अमूल्य शिक्षाएं सदैव मानवता को नैतिकता और संयम का मार्ग दिखाती रहेंगी।

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों के साथ आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन की समीक्षा की

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को राज्य में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की स्थिति की समीक्षा के लिए जिला कलेक्टरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक भुवनेश्वर स्थित लोक सेवा भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम जनता तक जरूरी सामानों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्तर पर कमी या बाधा उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जिला स्तर पर बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग सतर्क रहें और समय–समय पर स्थिति की समीक्षा करते रहें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आपूर्ति श्रृंखला में किसी प्रकार की रुकावट की संभावना को देखते हुए पहले से ही आवश्यक कदम उठाए जाएं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मध्य प्रदेश में एमएसपी पर गेहूं खरीद को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी 10 अप्रैल से शुरू होगी। यह निर्णय कैबिनेट मंत्रियों की समिति ने लिया है। कांग्रेस ने सरकार द्वारा गेहूं खरीदी तारीख तीसरी बार बढ़ाने पर सवाल उठाए है। राज्य में रबी विपणन वर्ष 2026–27 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में सोमवार को कैबिनेट मंत्रियों की समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए आयोजित की गई, जिसमें राज्य में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कैबिनेट समिति ने निर्णय लिया है कि इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में गेहूं की खरीदी का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन कार्य 15 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। सरकार ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें खरीदी केंद्रों की स्थापना, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना शामिल है।

राष्ट्रपति बिहार के दौरे पर, अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

पटना, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज एक दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहीं है। राष्ट्रपति अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम को सिर्फ अकादमिक नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन विरासत और आधुनिक कूटनीति का संगम भी माना जा रहा है। राष्ट्रपति राजगीर

स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मेधावी विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करेंगी। इस मौके पर 31 देशों से आए 617 छात्र–छात्राएं मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति विश्व प्रसिद्ध नालंदा महाविहार के खंडहर के भग्नावशेषों को भी देखेंगी।राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। नालंदा के साथ–साथ गया, पटना, जहानाबाद समेत आठ से अधिक जिलों से करीब ढाई हजार पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की तैनाती की गई है। समारोह में विदेशमंत्री एस जयशंकर, राज्यपाल सैयद अता हसनैन और कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी समेत कई नामचीन लोग शामिल होंगे।

लोकसभा में अमित शाह का सख्त बयान, 'हथियार उठाने वालों को नहीं बख्शेंगे'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा के दौरान सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यह नरेंद्र मोदी की सरकार है और जो भी हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि पहले 'रेड कॉरिडोर' के नाम से पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में 12 राज्य और करीब 70: भूभाग शामिल था। उन्होंने दावा किया कि अब इन इलाकों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है और नक्सलवाद तेजी से खत्म हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर

में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है और अब वहां विकास कार्य तेज हुए हैं। उन्होंने बताया कि गांव–गांव में स्कूल और राशन की दुकानें खोली गई हैं, जिससे आम लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। अमित शाह ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि 70 साल तक शासन करने के बावजूद आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाया। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने लंबे समय में बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं पहुंचीं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद केंद्र सरकार ने गरीबों के लिए कई योजनाएं शुरू कीं, जिनमें घर, गैस, शुद्ध पानी, 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त राशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले नक्सलवाद के कारण ये सुविधाएं बस्तर जैसे क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाती थीं। गृह मंत्री ने विपक्ष से कहा कि वे पहले अपने कार्यकाल का आकलन करें। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों ने आदिवासी क्षेत्रों में न तो बुनियादी ढांचा विकसित किया और न ही बैंकिंग व शिक्षा जैसी सुविधाएं पहुंचाईं।

डाक्टर की लापरवाही से प्रसव के दौरान शहर के बल्लाहाता स्थित मां परमेश्वरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल में जच्चा बच्चा की गई जान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिला चिकित्सालय व निजी अस्पतालों की चिकित्सकों के बीच चंद रुपये की लालच में मरीजों को अपनी हाथ से हाथ धोना पड रहा है।जिसका जीता जागता उदाहरण शहर के एक और निजी अस्पताल की लापरवाही से जच्चा–बच्चा की मौत का मामला सामने आया है।बताते चले कि मां परमेश्वरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल बल्लाहाता रिकाबगंज में स्थित है।पीडित महताबबाग,बेनीगंज निवासी सुरेश यादव ने मंगलवार को दोपहर में प्रसव पीड़ा के चलते अपनी पत्नी सोनी यादव उम्र 32 वर्ष को यहां भर्ती कराया था।भर्ती करते समय अस्पताल की डॉक्टर अंजली श्रीवास्तव ने सोनी का चेक अप किया और बताया कि जच्चा–बच्चा

दोनों स्वस्थ हैं।किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। बताते हैं कि रात करीब 12रू00 बजे अस्पताल की एक स्टाफ सोनी को लेबर रूम में ले गई और लगभग 1 घंटे बाद नवजात को लेकर आई और सुरेश के भाभी की गोद में उसे देते हुए बताया कि इसकी सांस नहीं चल रही है,इसे किसी बच्चे वाले डॉक्टर को दिखा दीजिए।सब लेकर के उसे बच्चों के डॉक्टर के पास गए जहां डॉक्टर ने नवजात को मृत बताया।बताते हैं कि वह लोग नवजात को लेकर के पुनः मां परमेश्वरी देवी अस्पताल पहुंचे तो बताया गया कि सोनी यादव की भी हालत बहुत गंभीर है।आनन फानन में सुरेश यादव पत्नी को एंबुलेंस ले नियावां मछली मंडी स्थित आनंद हॉस्पिटल ले आए, और वहां डॉक्टर आशुतोष ने चेक करके बताया कि सोनी भी जीवित नहीं है। पीड़ित सुरेश यादव का आरोप है कि 12रू00 बजे रात में जब उनकी पत्नी को लेबर रूम में ले जाया गया तो ना तो डॉक्टर अंजली अस्पताल में मौजूद थी। और ना ही कोई अन्य डॉक्टर प्रसव के समय मौजूद था, और अस्पताल के छोटे स्टाफ की लापरवाही से उनके नवजात और पत्नी की मौत हो गई।सुरेश यादव ने नगर कोतवाली में अस्पताल की डॉक्टर व अन्य स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। पुलिस ने जच्चा बच्चा दोनों केशव को पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।वही स्वास्थ्य विभाग ने इस अस्पताल को सील कर दिया।पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे सपा पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने मृतका की परिजनों को सांत्वना देते हुए सीएमओ से सवाल पूछा कि जब इस तरह की अस्पतालों पर कार्यवाही हुई रहती है तो इसके बावजूद दोबारा क्यों खुल जाता है। उन्होंने बताया कि जच्चा बच्चा की जान चिकित्सकों की लापरवाही और कमीशन खोरी के चक्कर में हुआ है।उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि इसमें शामिल चिकित्सकों को बर्खास्त किया जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। फोन पर सीएमओ से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के लापरवाह चिकित्सकों तथा अवैध रूप से संचालित अस्पतालों पर कार्यवाही क्यों नहीं होती है। कोई गलत पता नहीं कोई गलत पता नहीं पोस्टमार्टम हाउस पर उनके अलावा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे सहित भारी संख्या में विभिन्न दलों के नेता तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

हिमाचल के राज्यपाल की पीएम से पहली मुलाकात

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने सोमवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और हिमाचल प्रदेश के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राज्य के राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री के साथ श्री गुप्ता की यह पहली मुलाकात थी। बैठक के दौरान, राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को हिमाचल प्रदेश में वर्तमान में लागू की जा रही कई पहलों से अवगत कराया, जिनमें श्नशामुक्त हिमाचल अभियानश और श्टीबी–मुक्त हिमाचल अभियानश शामिल हैं। इन अभियानों का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करना है।श्री गुप्ता ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों पर बताया कि बड़ी संख्या में किसान और बागवान धीरे–धीरे रसायन मुक्त कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश टिकाऊ कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है ।

पलानीस्वामी हैं भाजपा के आक्रामक गुलाम : उदयनिधि स्टालिन

तमिलनाड, (एजेंसी)। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने तिरुवन्नामलाई में एक चुनाव अभियान बैठक के दौरान विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी की भाजपा के आक्रामक गुलाम के रूप में आलोचना की। 31 मार्च को तिरुवनमलाई विधानसभा क्षेत्र में तिरुवल्लुवर प्रतिमा के पास एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि हमने उग्र भक्तों और उग्र पार्टी कार्यकर्ताओं को देखा है, लेकिन एडप्पाडी पलानीस्वामी भाजपा के उग्र गुलाम के रूप में खड़े हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पलानीस्वामी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधीन हो गए हैं और तमिलनाडु में भाजपा को लाने का प्रयास कर रहे हैं। यह आयोजन डीएमके उम्मीदवार और लोक निर्माण मंत्री ई.वी. वेलू के समर्थन में आयोजित किया गया था और इसमें कांग्रेस, एमडीएमके, डीएमडीके, वीसीके, सीपीआई (एम) और सीपीआई सहित हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं और गठबंधन दलों के सदस्यों ने भाग लिया। उदयनिधि स्टालिन एक खुली गाड़ी में पहुंचे और मतदाताओं से डीएमके के उगते सूरज चिन्ह का समर्थन करने का आग्रह किया। अपने भाषण में उन्होंने वेलू की प्रशासनिक क्षमताओं और अनुभव की प्रशंसा करते हुए याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि और वर्तमान मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन दोनों ने ही वेलू की कार्यकुशलता को सराहा था। उन्होंने वेलू की पिछली जीत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें 95,000 वोटों का भारी अंतर प्राप्त हुआ था और उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनाव में इस अंतर को एक लाख तक बढ़ाने का आग्रह किया। उदयनिधि स्टालिन ने पिछले पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र में पूरी हुई विकास परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें बस स्टैंड का जीर्णोद्धार, सड़कों का चार लेन राजमार्गों में रूपांतरण, एकीकृत शिक्षा कार्यालय, 56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सरकारी आदर्श विद्यालय भवन, नहरों का जीर्णोद्धार, अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वच्छता कार्य, जन शिकायत निवारण केंद्र, मंदिरों के आसपास पक्की सड़कें और अंतरराष्ट्रीय सभागार जैसे पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे शामिल हैं। उन्होंने डीएमके सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया, जैसे महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, स्कूली छात्रों के लिए नाश्ता योजना, लड़कियों के लिए पुधुमई पेन योजना, युवाओं के लिए वित्तीय सहायता, रोजगार कार्यक्रम, छात्रों के लिए मुफ्त है।

शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बुलंदियों को छूता 'मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल' जाना बाजार अयोध्या

"शिक्षा, अनुशासन,संस्कृति और सफलता का संगम"

(48 वर्षों के शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा)

– स्कूल से ग्रामीण अंचल से कई विद्यार्थी आईएएस,आईपीएस, आईईएस, पीसीएस, इसरो, नासा, पीसीएस, पीपीएस, आईआईटी एनईईटी जैसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफल होकर देश–विदेश में कुछ पदों पर आसीन।

– वैज्ञानिक चिकित्सक अध्यापक पत्रकार सहित अन्य सम्मानित पदों पर देश के कई प्रतिष्ठित पदों पर आसीन।

–यूपी बोर्ड नर्सरी से 12वीं, सीबीएसई बोर्ड नर्सरी से 12वीं व आईटीआई एवं अन्य व्यवसाय संस्थाएं भी संचालित।

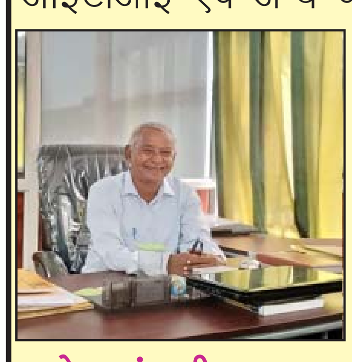

रमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबंधक

हम सपने रचते हैं
Modern Group Of Institution
Jana Bazar, Ayodhya(U.P)

आशीष रंजन श्रीवास्तव
उप प्रबंधक

कौशल कुमार सिन्हा
प्रधानाचार्य

संपादकीय

निर्वाचन आयोग के सामने चुनौती

पश्चिम बंगाल में जिन अर्जियों पर अगले 18 दिन में फैसला नहीं हो पाएगा, उनसे संबंधित मतदाताओं के अधिकार की उपेक्षा करते हुए चुनाव कराना किस लिहाज से उचित माना जाएगा? एक भी नागरिक के मताधिकार का हनन अवांछित है। पश्चिम बंगाल में 60 लाख व्यक्तियों के मताधिकार पर अंतिम निर्णय हुए बिना निर्वाचन आयोग ने राज्य विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है। ये वो लोग हैं, मतदाता सूची में जिनके नाम पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान विवाद खड़ा हुआ। उनसे संबंधित अर्जियां विचाराधीन हैं, जिन्हें निपटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायिक अधिकारियों की सहायता ली जा रही है। लेकिन ये काम इतना पेचीदा है कि इस बारे में फैसले की रफ्तार धीमी बनी हुई है। इस बीच घोषित कार्यक्रम के मुताबिक छह अप्रैल को परचा भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मुद्दा है कि जिन अर्जियों पर अगले 18 दिन में फैसला नहीं हो पाएगा, उनसे संबंधित मतदाताओं के अधिकार की उपेक्षा करते हुए चुनाव कराना किस लिहाज से उचित माना जाएगा? कहा जाता है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्त्वपूर्ण है। वोट हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है। एक भी नागरिक के इस अधिकार का हनन लोकतंत्र की मूलभूत भावना पर प्रहार होगा। ऐसा हुआ, तो उसके लिए सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग को दोषी माना जाएगा, जिसने जल्दबाजी में एसआईआर कराने का फैसला किया। साथ ही ये प्रक्रिया निर्विवाद ढंग से हो तथा संदेह से परे रहे, इसका इंतजाम करने में वह विफल रहा। रविवार को आयोग ने पश्चिम बंगाल के अलावा असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किए। इनमें अच्छी बात तो यह है कि इस बार टुकड़ों– टुकड़ों में मतदान कराने की परिपाटी छोड़ दी गई है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में और बाकी राज्यों में एक चरण में मतदान होगा। मगर असम, केरल और पुडुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान के बाद मतगणना के लिए 25 दिन के इंतजार की अवांछित स्थिति बनेगी। हाल में ऐसी परिस्थितियों से संदेह का माहौल बनता रहा है। अतरू बेहतर होता कि हर राज्य में मतदान और मतगणना में न्यूनतम संभव अंतर रखा जाता। बहरहाल, अब आयोग के सामने चुनौती चुनाव प्रक्रिया को तमाम संदेहों और सवालों से परे रखने की है। ऐसा वह सभी पक्षों के प्रति समान नजरिये का परिचय देकर कर सकता है।

मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने और कूटनीति को विफल बताने वालों को यह रिपोर्ट देखनी चाहिए

नीरज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने वाले और मोदी की विदेश नीति को विफल बताने वाले विपक्षी नेताओं को यह देखना चाहिए कि जब भारत के सामने ऊर्जा संकट मंडराया तो दुनिया के वही देश मदद के लिए खड़े हो गए जिनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों तक भरोसे का रिश्ता बनाया था। खासकर अफ्रीकी देशों से बढ़ते आयात ने यह साबित कर दिया है कि भारत ने समय रहते अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध बनाया था। आज वही रिश्ते और रणनीतिक फैसले भारत की ढाल बनकर खड़े हैं और यही असली कूटनीति की ताकत है।

देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। लेकिन भारत न तो घबराया और न ही संकट में फंसा। इसका कारण है मोदी सरकार की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और समय रहते उठाए गए रणनीतिक कदम। आज स्थिति यह है कि भारत में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की उपलब्धता एक महीने पहले की तुलना में काफी बेहतर हो चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार की ऊर्जा की कमी नहीं है और पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु बनी हुई है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित रणनीति का परिणाम है। देखा जाये तो सबसे बड़ा बदलाव आया है ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण में। एक दशक पहले तक भारत केवल 27 देशों से कच्चा तेल लेता था, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 41 हो चुकी है। इसका सीधा मतलब है कि भारत अब किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है। अमेरिका, रूस, कनाडा, नार्वे से लेकर अफ्रीकी देशों जैसे नाइजीरिया, अल्जीरिया और अंगोला तक भारत ने अपने ऊर्जा संबंधों का विस्तार किया है। एलएनजी के लिए कैमरून, इक्वेटोरियल गिनी और मोजाम्बिक जैसे नए साझेदार जुड़े हैं। यही नहीं, रणनीतिक भंडारण की दिशा में भी भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पिछले 11 वर्षों में 5.3 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार किया गया है और अतिरिक्त क्षमता पर तेजी से काम चल रहा है। इसका मतलब यह है कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत के पास आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। मोदी सरकार ने केवल आपूर्ति बढ़ाने पर ही ध्यान नहीं दिया बल्कि प्रबंधन को भी मजबूत किया। चौबीसों घंटे निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एक अंतर मंत्रालयी समूह रोज बैठक कर हालात का आकलन कर रहा है। जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए और राज्यों को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कूटनीतिक सक्रियता। प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, ईरान और अमेरिका जैसे देशों के नेताओं से लगातार संपर्क बनाए रखा। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हुई और आपूर्ति बाधित नहीं हुई। यह वही देश हैं जिनसे भारत ने संकट के समय पहले भी सहयोग किया था और आज वही रिश्ते काम आए। सामरिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की बड़ी परीक्षा थी। पश्चिम एशिया जैसे संवेदनशील क्षेत्र में तनाव का सीधा असर भारत पर पड़ सकता था, लेकिन भारत ने अपनी निर्भरता घटाकर इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया। अब होर्मुज मार्ग पर निर्भरता घटकर लगभग तीस प्रतिशत रह गई है। इसके रणनीतिक निहितार्थ और भी गहरे हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा कूटनीति का सक्रिय खिलाड़ी बन चुका है। अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों में बढ़ती मौजूदगी भारत को दीर्घकालिक सुरक्षा देती है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी काम हो रहा है। आम जनता पर इसका सकारात्मक असर साफ दिख रहा है। रसोई गैस की आपूर्ति जारी है, भले ही घबराहट में बुकिंग बढ़ने से डिलीवरी में चार से पांच दिन का समय लग रहा हो, लेकिन कहीं भी गैस खत्म होने की खबर नहीं है। किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है और पेट्रोल, डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती की गई है। यह पूरा घटनाक्रम एक बात साफ करता है कि मोदी सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल नीतिगत मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा माना है। आज जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं तब भारत मजबूती से खड़ा है। बहरहाल, विपक्ष को यह समझना होगा कि विदेश यात्राएं केवल फोटो खिंचवाने के लिए नहीं होतीं, बल्कि संकट के समय काम आने वाले रिश्ते बनाने के लिए होती हैं। और जब संकट आया, तो वही रिश्ते भारत के लिए कवच बन गए। यही है नई भारत की आक्रामक, आत्मविश्वासी और दूरदर्शी कूटनीति।

ट्रंप का नया पैंतरा, अराघाची व गालिबफ को अभयदान

डॉ. सुधीर सक्सेना

इस्रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उकसावे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी खब्त में आकर मध्यपूर्व में जंग के शिकंजे में अपने पाँव बुरी तरह फँसा लिये हैं। संप्रति अमेरिका की हालत निगलत–उगलत पीर घनेरी मार्का हो गयी है। 28 मार्च को युद्ध छिड़े पूरा एक माह बीत गया, लेकिन उसका एक भी इरादा पूरा होना तो दूर रहा, उलटे उसकी भद्द पिटने का दौर जारी है। साँप–छछूंदर गति के वशीभूत लगातार रंग बदलते ट्रंप ने ईरान के दो शीर्ष नेताओं–विदेश मंत्री अराघाची और स्पीकर गालिबफ को अभयदान देने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि ये दोनों नेता अब इस्रायल की हिटलिस्ट में नहीं है और इस्रायल खामेनेई और लारीजानी की भांति उन्हें मारने के लिये एयर स्ट्राइक नहीं करेगा। मजेदार बात यह है कि उन्होंने यह कदम अमेरिका और ईरान के मध्य मध्यस्थता कर रहे आतंकवादी राष्ट्र पाकिस्तान के फौजी शासक असीम मुनीर की गुजारिश पर उठाया है। मुनीर का तर्क है कि यदि उक्त दोनों शीर्ष ईरानी नेता जीवित नहीं रहे, तो अमेरिका वार्ता किससे करेगा? गौरलतब अयातुल्लाह खामेनेई के उत्तराधिकारी मोज्तबा खामेनेई को आहत अवस्था में तेहरान से निकालने में रूस सफल रहा है और उनका इन दिनों मस्क्वा में उपचार हो रहा है। अमेरिका के लिए परेशानी का एक और सबब यह भी है कि वह ईरान में इस्लामी हुकूमत को अपदस्थ कर अपनी कठपुतली सरकार बिठाने में विफल रहा है। उलटे इस्लामी हुकूमत के पीछे अवाम के एकजुट होने से उसके पाये और मजबूत हुये हैं। यह भी साफ हो गया है कि आर्यमेहर रजा शाह पहलवी के बेटे को निर्वासन से वापसी और राज्याभिषेक में ईरानी अवाम की कोई रूचि नहीं है। अराघाची और गालिबफ को अभयदान को राष्ट्रपति ट्रंप के नये पैंतरे के तौर पर देखा जा रहा है। इसके जरिये वह अपनी जंगजू इमेज को सदाशयी मोड में लाना चाहते हैं तथा बरसों से पाबंदियों और जंग–दर–जंग झेल रहे ईरान में अपेक्षाकृत लिबरल लॉबी खड़ी करना चाहते हैं। पिछले एक माह में उनके नुकसानों की फेहरिश्त लंबी है। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान–प्रसंग एक हफ्ते में निपट जायेगा। लेकिन यह उनकी खामख्याली साबित हुई। ईरान ने खूब मोर्चा लड़ाया। उसने प्रत्यक्रमण कर कतर, दुबई, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान में तो कहर बरपाया ही, सुदूर डियागोगार्सिया तक मिसाइलें दाग कर इस्रायल–अमेरिका धुरीको चौंका दिया। ईरान की कार्रवाई से एक तो उक्त देशों का अमेरिका के सुरक्षा कवच पर भरोसा टूटा। दूसरे, इस्रायल के आयरन डोम का मिथ भी खंडित हो गया। एक और बड़ी बात यह हुई कि अमेरिका–पोषित नाटो में दरारें पड़ गयीं और इटली–स्पेन जैसे राष्ट्रों ने सहयोग के नाम पर हाथ खड़े कर दिये। नतीजतन खीझ में आकर ट्रंप ने नाटो–राष्ट्रों को कायर की संज्ञा दे डाली। ट्रंप को एक और निजी मलाल यह है क गालिबफ ने उनके दामाद किश्नर और विटकोफ से वार्ता से इंकार कर दिया और जेडी वांस से बातचीत की इच्छा व्यक्त की। घड़ी की सुइयां तेजी से घूम रही हैं। दुनिया अभूतपूर्व ऊर्जा और ईंधन संकट की ओर बढ़ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के कब्जे और निगरानी में है। ईरान वहां फौरी कार्रवाई कर वैश्विक संचार प्रणाली को तहस–नहस कर सकता है। खर्ग द्वीप पर अमेरिकी कार्रवाई यकीनन जबर्दस्त जवाबी कार्रवाई को न्यौता देगी। अगर्चे अमेरिका ने वहां मैरीनार और जमीनी टुकड़ियां भेजीं तो जंग बेमियादी दौर में पहुंच जायेगी और अमेरिका को वियेतनाम और अफगानिस्तान जैसी विषम और प्रतिकूल परिस्थितियों से दो–चार होना पड़ेगा। सुलह के लिये अनाक्रमण संधि और हर्जाने पर अड़े ईरान ने यदि छंकाने के लिये हमस हिजबुल्लाह और हूती जैसे संगठनों को छू कर दिया तो इस्रायल के लिये मोर्चा संभालना मुश्किल होगा। इस्रायल के रक्षा मंत्री यूं भी सेना में मानव संसाधनों की कमी का रोना रोते देखे गये हैं।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

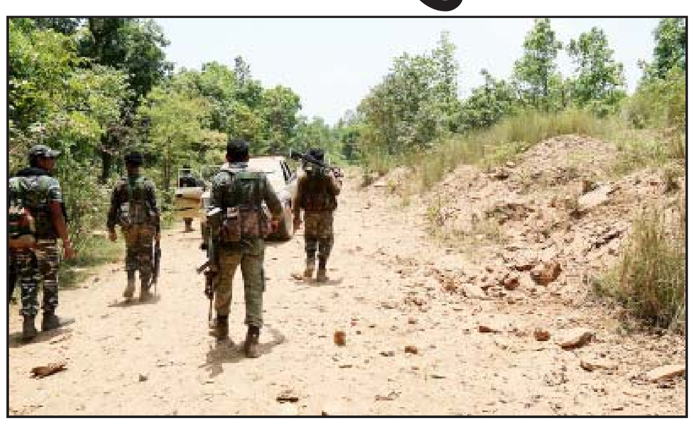

ललित

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक–आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य–पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

हवाई चप्पल वाले विमान में या हवाई सेवाएं जमीन पर

राजेंद्र

बुनियादी सुविधाओं के मामले में आर्थिक सामर्थ्य के इस संकट का, मांग का संकट बनकर इस तरह सामने आ खड़ा होना, खासतौर पर नव–उदारवादी आर्थिक व्यवस्था के अपनाए जाने का नतीजा है। जब तक बुनियादी सुविधाएं मुख्यतरू सार्वजनिक क्षेत्र में थीं, तब तक चूंकि उन्हें आर्थिक लाभ कमाने की दृष्टि से संचालित नहीं किया जाता था, इन सुविधाओं की आपूर्ति की तंगी तो हो सकती थी, लेकिन उनके मांग की कमी की वजह से अनुपयोगी रह जाने का संकट नहीं हो सकता था।हैरानी की बात नहीं है कि हमारे उद्घाटन–वीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, पांच विधानसभाई चुनावों के लिए अपने प्रचार के औपचारिक चरण के लिए दिल्ली से रवाना होने से ठीक पहले, एक धमाकेदार उद्घाटन करना जरूरी समझा। हम राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में निर्माणाधीन नये हवाई अड्डे के पहले चरण के उद्घाटन की बात कर रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री ने इस हवाई अड्डे के निर्माण को अपने राज में तेजी से हो रही प्रगति के साक्ष्य के रूप में ही पेश नहीं किया, देश के लिए जरूरी विकास के मॉडल के तौर पर भी पेश किया, जो उनकी पार्टी के डबल इंजन राज की ही कृपा से उत्तर प्रदेश को नसीब हो रहा है। यहां ढांचागत क्षेत्र के विकास के इस मॉडल की जरा नजदीक से पड़ताल करना अप्रासांगिक नहीं होगा, जिसे बहुत से विश्लेषणकर्ता नुमाइशी (वेनिटी) विकास मॉडल मानते हैं।स्वाभाविक रूप से शनिवार 28 मार्च के जेवर एअरपोर्ट के उद्घाटन की खबरों ने राजधानी में और खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी सुर्खियां बटोरीं। आखिरकार, राजधानी से दिल्ली के वर्तमान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कुछ ही 12 किलोमीटर की दूरी पर यह नया हवाई अड्डा बन रहा है, जिसे न सिर्फ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों के लिए हवाई यात्रा की सुगमता करने वाला बताया जा रहा था, बल्कि खबरों में तो श्देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डाश कहकर भी प्रचारित किया जा रहा था। यह दूसरी बात है कि छोटे प्रिंट में दी जा रही जानकारियां, एक तरह से हाथ के हाथ इस दावे की अतिरंजना को भी उजागर कर रही थीं। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री ने इस हवाई अड्डे के निर्माण के पहले चरण का ही उद्घाटन किया है, जिसमें कार्गो टर्मिनल तथा मरम्मत, रख–रखाव आदि से संबंधित हिस्से ही शामिल हैं। इस चरण पर करीब 11,200 करोड़ रुपए की लागत आई है। इस हवाई अड्डे का निर्माण चार चरणों में, 2040 तक पूरा होना है। फिलहाल, कुछ घरेलू उड़ानों के शुरू होने की चर्चा जरूर है, लेकिन उसकी भी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गयी है। हैरानी की बात नहीं होगी कि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभाई चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री एक बार फिर इस हवाई अड्डे के किसी हिस्से का उद्घाटन करने के लिए यहां लौटें।जहां तक संबंधित परियोजना का सवाल है, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक ढांचागत परियोजना ही नहीं है बल्कि शविकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश अभियान का नया अध्याय है। यह एअरपोर्ट उत्तर भारत के लिए लॉजिस्टिक गेटवे बनकर निवेश, व्यापार और निर्यात को नयी गति देगा।...पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए विकास का नया द्वार खोलेगाश, आदि। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने यह दावा भी किया कि इससे, शकिसानों, छोटे और लघु उद्योगों और युवाओं को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।श प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के साकार होने के लिए किसानों के शजमीन के योगदानश के लिए आभार ही व्यक्त नहीं किया, किसानों को यह सपना भी दिखाया कि उनके कृषि उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहुंचसकेंगे! प्रधानमंत्री ने यह दावा भी किया कि यह एअरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार और अवसरों की नयी दिशा देगा। लेकिन कैसे, यह स्पष्ट करने की उन्होंने जरूरत नहीं समझी।प्रधानमंत्री इस मौके पर गिनती को तर्क बनाने का खेल नहीं खेलते यह तो संभव ही नहीं था। प्रधानमंत्री ने इसे अपने राज में उत्तर प्रदेश के तेजी से विकास कर रहे होने का पैमाना बनाया कि उत्तर प्रदेश अब पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है। और यह भी कि मोदी के शासन संभालने से पहले, देश में कुल 74 हवाई अड्डे थे, जबकि अब तक यह संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो चुकी है। हवाई अड्डों की संख्या और विकास के इसी समीकरण को और पुख्ता करते हुए, 28 मार्च के उद्घाटन ईवेंट से ठीक पहले, 25 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए संशोधित उड़ान योजना को मंजूरी दी थी, जिसमें दस वर्ष में 100 हवाई अड्डे बनाने का ऐलान किया गया है। इस योजना के लिए 28,840 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। अगर हवाई अड्डे बनना ही विकास का पैमाना है, तो जाहिर है कि मोदी राज में देश का बहुत तेजी से विकास हो रहा है। लेकिन, यहीं उत्तर प्रदेश का ही एक और आंकड़ा सामने आकर खड़ा हो जाता है, जिसकी प्रधानमंत्री मोदी के हवाई क्षेत्र के विकास के दावों के जवाब में, समाजवादी पार्टी नेता, अखिलेश यादव ने याद दिलाई है। यह आंकड़ा जो वास्तव में एक आरटीआई के सरकारी जवाब में सामने आया है, यह दर्शाता है कि हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार कर, अपेक्षाकृत कम आबादी के केंद्रों को उसके दायरे में लाने के इरादे से, पिछले पांच–छरू साल में उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपए खर्च कर, 7 नये हवाई अड्डे शुरू किए गए थे। लेकिन, इनमें से पूरे 6 हवाई अड्डे बंद हो चुके हैं, जहां से नियमित रूप से कोई हवाई सेवा काम ही नहीं कर रही है। इनमें आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, आगरा, कुशीनगर, चित्रकूट आदि के हवाई अड्डे शामिल हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से और कीमती जमीन लगाकर बनाए गए हवाई अड्डे अगर हवाई यातायात का ही काम नहीं कर रहे हैं, तो उन्हें फिजूलखर्ची की निशानी भले माना जा सके, विकास की निशानी तो किसी भी तरह नहीं माना जा सकता है। यह सिर्फ उत्तर प्रदेश की ही समस्या नहीं है। कम या ज्यादा, खासतौर पर पूरे ढांचागत क्षेत्र के विकास की यही समस्या है। चूंकि आम तौर पर यह माना जाता है कि ढांचागत सुविधाएं जितनी ज्यादा हों उतना ही बेहतर है, जोकि ऐसे विकासशील देश में स्वाभाविक भी है।

स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ, बीएसए ने घर–घर जाकर कराया नामांकन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,01अप्रैल। यूपी के जौनपुर में "स्कूल चलो अभियान" के तहत विकासखंड बक्सा के प्राथमिक विद्यालय सदरूद्दीनपुर में नामांकन अभियान उत्साह और जनभागीदारी के साथ बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने किया, जिन्होंने स्वयं गांव पहुंचकर घर–घर जाकर बच्चों का नामांकन कराया और अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान कुल 25 बच्चों का

नामांकन किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और विद्यालय के अध्यापकों ने नव नामांकित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया। साथ ही बच्चों को किताबें, कॉपियां और पेंसिल वितरित कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान विंध्यवासिनी उपाध्याय, विद्यालय के समस्त शिक्षक, गांव के सम्मानित नागरिक और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि "स्कूल चलो अभियान" का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। अभियान के माध्यम से जन–जन तक शिक्षा के महत्व को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन जौनपुर में 41.92 करोड़ रुपए खर्च, देर रात तक चला भुगतान कार्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन मंगलवार को जौनपुर जिले में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा तेजी दिखाते हुए करीब 41 करोड़ 92 लाख रुपये खर्च किए गए। अवकाश के बावजूद कई विभागों के कार्यालय देर शाम तक खुले रहे, जबकि अधिकांश बैंकों ने भी लेन–देन के लिए काम जारी रखा। पूरे दिन आय–व्यय का लेखा–जोखा तैयार करने के साथ कोषागार से देर रात तक भुगतान की प्रक्रिया चलती रही। जानकारी के अनुसार, सबसे अधिक व्यय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसने करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं समाज कल्याण विभाग ने 2 करोड़ 51 लाख रुपये तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 2 करोड़ 31 लाख 92 हजार रुपये का उपयोग किया। नगर पंचायतों ने भी पीछे न रहते हुए 5 करोड़ 19 लाख रुपये का बजट खर्च किया। इसके अलावा अर्थ एवं संख्या विभाग ने 1 करोड़ 61 लाख रुपये, पुलिस विभाग ने 99 लाख 16 हजार 456 रुपये तथा राजस्व विभाग ने 19 लाख रुपये का व्यय किया। जिला उद्योग कार्यालय द्वारा 7 लाख रुपये, सीएमओ कार्यालय द्वारा 7 लाख 28 हजार रुपये तथा डीआईओएस कार्यालय द्वारा 16 लाख रुपये खर्च किए गए। अन्य विभागों में डीपीआरओ कार्यालय ने 3 लाख 25 हजार रुपये, निर्माण खंड ने 75 लाख 92 हजार रुपये तथा कोषागार कार्यालय ने 5 हजार रुपये का भुगतान किया। वहीं राजकीय पॉलीटेक्निक द्वारा सबसे कम 1360 रुपये का खर्च दर्ज किया गया।इस संबंध में बुधवार को बातचीत करते हुए वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर ने बताया कि अंतिम दिन कार्यालय देर रात तक खुला रहा और कुल मिलाकर लगभग 40 करोड़ 92 लाख रुपये का भुगतान किया गया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि शिक्षा विभाग द्वारा करीब 5 करोड़ रुपये की धनराशि वापस कर दी गई। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन इस तरह के व्यय को लेकर विभागों में पूरे दिन भागदौड़ का माहौल रहा और अधिकारी–कर्मचारी समय पर बजट उपयोग सुनिश्चित करने में जुटे रहे।

अन्नपूर्णा भवन निर्माण के दौरान ग्राम प्रधान पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर थाना क्षेत्र के खरियामऊ गांव में मंगलवार शाम सरकारी अन्नपूर्णा भवन के निर्माण कार्य के दौरान ग्राम प्रधान पर दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान रमेश कनोजिया (40), पुत्र मुन्नू राम कनोजिया, अपने पंचायत में अन्नपूर्णा भवन के निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान करीब शाम 5 बजे गांव के लगभग दर्जनभर दबंग मौके पर पहुंच गए और प्रधान के साथ गाली–गलौज करने लगे। जब प्रधान ने इसका विरोध किया तो हमलावरों ने लाठी, डंडा और ईंट से उन पर हमला कर दिया। हमले में प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद एक युवक ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ जुटती देख हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल प्रधान को तत्काल मछलीशहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में है। तहरीर प्राप्त हो चुकी है और जांच–पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष का शानदार ढंग से मना जन्मदिन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष करुणाकर पान्डेय का जन्मदिन होटल सानेअवध में भव्य रूप में मनाया गया कार्यक्रम में जिले के प्रमुख विशिष्ट जन एवम भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियो नेताओं अयोध्या के संत महंत जिले के इंजीनियर डॉक्टर जिला पंचायत सदस्य बीडीसी प्रधानऔर समाज सेवियो ने भारी संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम में बड़े ही शानदार तरीके से और अनूठे ढंग से जन्मदिन मनाया गया हजारों समर्थकों ने सुबह 8रू00 बजे से लेकर पूरे दिन मिलकर बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में 51 किलो की माला साल पहनाकर और रामलला की प्रतिमा देकर शानदार स्वागत किया जन्मदिन पर पूरे जिले से आए हुए उनके समर्थकों की भारी भीड़ ने एक बार फिर उनको जिले के लोकप्रिय और जमीनी पकड़ वाले नेता के साथ सर्व समाज का नेता सिद्ध कर दिया।कार्यक्रम में अयोध्या धाम से आए संतो ने आशीर्वाद दिया उनके उज्वल भविष्य की कामना किया कार्यक्रम में पूर्व भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अवधेश पांडे बादल महानगर उपाध्यक्ष परमानंद स्वामी मिश्र मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी महानगर मंत्री शिवम शुक्ल भारतीय जनता पार्टी के सरकार से नामित नगर निगम पार्षद सुशील कुमार उर्फ बबलू मिश्र आशुतोष पांडेय डिप्पुल पांडेय ,सहदेव उपाध्याय प्रबंधक देवा आवासीय पब्लिक स्कूल एवं इंटर कॉलेज उसरू अमौना अजय पांडे अंतरराष्ट्रीय कल चलती है ठेकेदार मनोज तिवारी चंदन त्रिपाठी मनोज मौर्य प्रधान दुर्गा पांडे सुमित तिवारी प्रधान चंद्रप्रकाश गुड्डू तिवारी आशुतोष पांडे आयुष पांडे अंकित शुक्ल अंशुमानसिंह अधिवक्ता राज शर्मा अभय तिवारी राजरशि दशरथ मेडिकल कॉलेज शहर के ट्रांसपोर्टर चंद्र प्रकाश उर्फ पिंटू तिवारी आदि सुबह से शाम तक हजारों की संख्या में उपस्थित रहे

जौनपुर में SSP का सख्त एक्शन, लापरवाही पर तीन पुलिसकर्मी निलंबित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कानून–व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कुंवर अनुपम सिंह ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीन पुलिसकर्मियों को बुधवार को निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में सरपतहा थाने के हेड कॉन्स्टेबल महफूज हाशमी, लाइन बाजार थाने के कॉन्स्टेबल परितोष सिंह तथा सुरेरी थाने के कॉन्स्टेबल हिमांशु राव शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन तीनों की कार्यप्रणाली को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने मामले की समीक्षा कराई, जिसमें प्रथम दृष्टया ड्यूटी में लापरवाही और अनुशासनहीनता सामने आई। इसके बाद तत्काल प्रभाव से तीनों को निलंबित कर दिया गया। एसएसपी कुंवर अनुपम सिंह ने स्पष्ट कहा कि ड्यूटी में कोताही और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा और कानून–व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में यदि किसी भी पुलिसकर्मी के खिलाफ लापरवाही या शिकायत पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें बर्खास्तगी भी शामिल हो सकती है। इस कार्रवाई को विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी युवक को आजीवन कारावास 75000 लगा अर्थदंड

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने 2 वर्ष पूर्व कक्षा 8 में पढ़ने वाली नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को दोषसिद्ध पाते हुए मंगलवार को आजीवन कारावास एवं 75000 रूपये अर्थ दंड से दंडित किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश के अनुसार सरपतहा थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि 6 जनवरी 2024 को समय लगभग 8रू30 बजे सुबह उसकी 13 वर्षीया नातिन जो कक्षा 8 में पढ़ती थी अपने विद्यालय पढ़ने जा रही थी तभी ट्यूबवेल के पास मौजूद विकास वर्मा पुत्र कृष्ण कुमार वर्मा ने उसकी नातिन को सरसों का बोझ उठाने के लिए खेत में बुलाकर उसके साथ बलात्कार किया और जान से मारने की धमकी दिया। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी युवक को उक्त दंड से दंडित किया।

यूपी में मौसम मारेगा पलटी गरज चमक संग ओलावृष्टि का अलर्ट, 20 जिलों में बारिश की भी चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को 20 पश्चिमी जिलों में गरज चमक के साथ ओलावृष्टि की संभावना है। साथ ही इन इलाकों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की भी चेतावनी है। इसके लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। मौसम के इस बदलाव से प्रदेशभर में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं। एक दिन पहले सोमवार को पश्चिमी जिलों सहारनपुर, मथुरा, अलीगढ़ आदि में तेज हवाओं और गरज चमक के साथ बूंदाबांदी देखने को मिली। राजधानी लखनऊ, प्रयागराज, बांदा और वाराणसी जैसे शहरों में सोमवार को इस सीजन का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। बांदा 41.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा। जबकि, प्रयागराज में 40.5 डिग्री, वाराणसी में 39.9 डिगी और कानपुर व अमेठी में 38.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार ईरान के आसपास से सक्रिय हुए विक्षोभ के असर से प्रदेश के विभिन्न इलाकों में गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। साथ ही तापमान में गिरावट की भी संभावना है। एक अप्रैल से मौसम के शुष्क रहने के आसार हैं। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरेया, बिजनौर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी ललितपुर व आसपास के इलाकों में। राजधानी में बूंदाबांदी के आसार

राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मंगलवार को यहां बादलों की सक्रियता बढ़ने के संकेत हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से लखनऊ में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। साथ ही तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को नए विक्षोभ के असर से लखनऊ में छिटपुट बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान तेज रफ्तार हवाएं भी चल सकती हैं।

चढ़ते समय फिसला पैर, प्लेटफार्म और ट्रेन के पायदान के बीच गिरकर युवक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में निहालगढ़ से लखनऊ जा रहे युवक की ट्रेन में चढ़ते समय गिरने से मौत हो गई। वह दवा लेने जा रहा था। उसके साथ उसकी भाभी और दो बच्चे थे। खबर मिली तो घरवाले रोते बिलखते अस्पताल पहुंचे। बताया गया कि निहालगढ़ कोतवाली के पिछूती कोट गांव निवासी शिवम सिंह (27), भाभी खुशबू, उनके दो जुड़वा बच्चे उन्नत और खुशबू (4) को लेकर लखनऊ दवा लेने जाने के लिए घर से गया था। निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसलने से प्लेटफार्म और ट्रेन के पायदान के बीच गिर गया। उसे तत्काल ट्रॉमा सेंटर, जगदीशपुर ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाभी खुशबू के अनुसार, शिवम तड़के करीब 4 बजे कचनाव स्थित अपनी मौसी शारदा सिंह के घर से इलाज के लिए पैसे लेकर निकला था। लखनऊ जाकर बच्चों की दवा लेनी थी। बताया कि सुबह करीब 5 बजे सुल्तानपुर से मुंबई जाने वाली लोकमान्य तिलक ट्रेन में चढ़ते समय उन्होंने पहले दोनों जुड़वा बच्चों को सुरक्षित चढ़ा दिया। इसके बाद भाभी खुशबू को चढ़ाने का प्रयास कर रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया। वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आरपीएफ ने उन्हें बाहर निकालकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। लेकिन, वह बच नहीं सके। घटना से मृतक के पिता राम मनोरथ सिंह व माता दुर्गावती का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार में बड़ा भाई सत्यम सिंह सूरत में रहकर काम करता है। शिवम की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। बताया गया कि 28 अप्रैल को उनकी बहन खुशी की गोद भराई का कार्यक्रम तय है। इससे पहले ही परिवार पर यह दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि प्रकरण में विधिक कार्रवाई की जा रही है। स्टेशन अधीक्षक निहालगढ़ लखनलाल मीना ने बताया कि ट्रेन आगे के लिए रवाना हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक ने गाड़ी को कुछ मिनट रोकने के बाद गंतव्य के लिए रवाना हुआ।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए मनोसामाजिक सहयोग पर कार्यशाला आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दृष्टिबाधिता विभाग द्वारा "दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए मनोसामाजिक सहयोग प्रणालीरू अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक विद्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें अभिभावकों, शिक्षकों एवं प्रशिक्षु शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ दृष्टिबाधिता विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विभागाध्यक्ष आद्या शक्ति राय ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए मनोसामाजिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों की संयुक्त भूमिका ही विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होती है।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अमिता दुबे रहीं, जो नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की उत्तर प्रदेश शाखा से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अभिभावकों का सकारात्मक दृष्टिकोण दृष्टिबाधित बच्चों के भविष्य को नई दिशा देता है। उन्होंने यह भी बताया कि उचित सहयोग और निरंतर प्रोत्साहन से दृष्टिबाधित विद्यार्थी समाज में प्रेरणादायक उदाहरण बन सकते हैं।मुख्य अतिथि प्रो. वी. के. सिंह ने समावेशी शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि परिवार और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमकार नाथ शुक्ला ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।कार्यक्रम में दिनेश कुमार एवं सुधा राव सहित।

कार्यालय ग्राम पंचायत परापट्टी, विकास खण्ड–करंजाकला, जौनपुर

पत्रांक– मेमो / ग्रा0पं0वि0 / दिनांक – 01.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त / 16 वां केन्द्रीय वित्त आयोग / ग्राम स्वराज अभियान / मनरेगा / स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 01.04.2026 से 07.04.2026 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 07.04.2026 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर मान्य होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी / एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम. / 42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर / एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट / इण्टरलाकिंग ईट / जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट / विद्युत सामग्री / स्ट्रीट लाईट / हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री / पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट / सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल / प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री / इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री / रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड / पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति / निर्माण समिति में चिहि्नत होगा।

प्रधान
सुवाष राय

ग्राम पंचायत अधिकारी / ग्राम सचिव
विश्राम विन्द

जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

(ब्यूरो चीफ राजेश श्रीवास्तव)

अयोध्या। बुधवार को जनपद अयोध्या में जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह और विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या कृष्ण कुमार सिंह की उपस्थिति में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र के नेतृत्व में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 में नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत मुख्य अतिथि महापौर गिरीश पति त्रिपाठी व अन्य प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कंपोजिट विद्यालय डाभासेमर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि नए सत्र में 1 अप्रैल से सभी विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान का कार्यक्रम पूरी गति के साथ चलाया जाए।मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने शिक्षकों को विस्तार से बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनकी उपस्थिति एवं ठहराव पर चर्चा की । महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने सभी शिक्षकों को प्रेरित किया कि वह अपने विद्यालय में शत प्रतिशत नामांकन कराया जाना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर जनपद अयोध्या के एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी द्वारा निपुण भारत मिशन की संकल्पना , महत्व और सभी बच्चों की कक्षा के अनुरूप दक्षता हासिल करने के विषय में विस्तार से बताया गया।मुख्य अतिथि द्वारा कक्षा 1से कक्षा 8तकके बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया ।इस अवसर पर जनपद के सभी विकासखंड के एकेडमिक रिसोर्स पर्सन , खंड शिक्षा अधिकारी मया राजेश सिंह , जनपद के एसआरजी अमित कुमार मिश्रा व सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में सभी मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी मया राजेश सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का शानदार संचालन आदर्श शिक्षक सड़क ए हुसैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन अंकुर सिंह, जिला समन्वयक प्रशिक्षण आदर्श सिंह, जिला समन्वयक निर्माण गिरिजा शंकर पांडेय, जिला समन्वयक बालिका भास्कर सिंह, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवाकांत द्विवेदी जी उपस्थित रहे।

महिला एसओ आशा शुक्ला के निर्देश पर महिला एसआई प्रिया ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओ को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक प्रिया व अन्य महिला पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय, जिला पुरुष चिकित्सालय चौक रोडवेज सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उप निरीक्षक प्रिया ने महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें।इस मौके पर उनके अलावा पीआरडी किरण,गायत्री, माधुरी सहित अन्य महिला थाना परिसर मे तैनात पुलिस कर्मी मौजूद रही।

डबल डेकर बस व ट्रेलर की टक्कर में बस चालक सहित दो घायल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले के रुदौली थाना क्षेत्र में डबल डेकर बस व ट्रेलर की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो यात्री घायल हो गए।मालूम हो कि गोरखपुर लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर रुदौली कोतवाली क्षेत्र के रौजागाँव ओवर ब्रिज पर टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसकी गूंज आसपास के इलाकों में सुनाई पड़ी। उस वक्त चीख–पुकार मच गई जब डबल डेकर बस

ट्रेलर में पीछे से टकरा गई।हादसे में बस ड्राइवर सुरेश कुमार (सोहागपुर, मथुरा) और खलासी बृजेश कुमार (नगला भवानी,मैनपुरी) गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल अयोध्या रेफर किया गया।रुदौली कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रुदौली संजय मौर्य ने मौके पर पहुंचकर जांच की और दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने हादसे का कारण बस द्वारा पीछे से टक्कर बताया।

संत के आशीर्वाद से विधायक अभय सिंह हुए भावविभोर

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। दतौली धाम में एक अत्यंत भावुक और आध्यात्मिक क्षण उस समय देखने को मिला,जब पूज्य संत ओम नारायण दास जी महाराज ने गोसाईगंज विधायक अभय सिंह को तिलक लगाकर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आशीर्वाद प्रदान किया।इस दौरान वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा।संत श्री के करकमलों से तिलक ग्रहण करते हुए विधायक अभय सिंह ने विनम्रता और श्रद्धा के साथ सिर झुकाया। संत की वाणी में निकले आशीर्वचन न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन के लिए, बल्कि जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते नजर आए।दतौली धाम में उपस्थित श्रद्धालुओं और समर्थकों के बीच यह दृश्य आस्था, विश्वास और भारतीय सनातन परंपरा की जीवंत मिसाल बन गया।संत ओम नारायण दास जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में समाज कल्याण, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। वहीं, विधायक अभय सिंह ने संत का आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य बताया और कहा कि यह उनके जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण है, जो उन्हें जनसेवा के प्रति और अधिक समर्पित करेगा।इस पावन अवसर पर मौजूद लोगों ने इसे केवल एक औपचारिक भेंट नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक संकल्प का संगम बताया, जो समाज के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का 31वां वार्षिक दिवस समारोह सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का वार्षिक दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विमानपत्तन निदेशक श्री धीरेंद्र सिंह द्वारा माननीय अध्यक्ष का संदेश पढ़कर सुनाया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत यात्रियों , भा वि प्रा कार्मिकों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर केक कटिंग की गई, हवाई अड्डा परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया तथा भाविप्रा का थीम सॉन्ग चलाया गया।कार्यक्रम के उपरांत विमानपत्तन निदेशक द्वारा मीडिया ब्रीफिंग की गई, जिसमें विमानन क्षेत्र एवं हवाई अड्डे के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई।ब्रीफिंग के दौरान बताया गया कि भारत का विमानन क्षेत्र निरंतर तीव्र गति से विस्तार कर रहा है, जिसे सुदृढ़ नीतियों एवं बेहतर कनेक्टिविटी का समर्थन प्राप्त है। अयोध्या हवाई अड्डे के समर शेड्यूल में बेंगलुरु, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, हिसार एवं नवी मुंबई से कनेक्टिविटी स्थापित की गई है, जिसका संचालन

इंडिगो एयर इंडिया एक्सप्रेस आकाशा एअर एयरलाइंस

जैसी एयरलाइंस द्वारा सुबह से लेकर शाम तक एयरपोर्ट ऑपरेशन किया जा रहा है।विमानपत्तन निदेशक ने अवगत कराया कि बढ़ती यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए नए हवाई अड्डों एवं टर्मिनलों का विकास एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। अयोध्या हवाई अड्डे द्वारा उद्घाटन से अब तक लगभग 22.50 लाख यात्रियों को संभाला जा चुका है, जो इसकी बढ़ती उपयोगिता को दर्शाता है।उन्होंने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा इसको 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त हुई है तथा वर्ष 2024–25 के डवन में 93.21 अंक प्राप्त कर संगठन ने उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं का प्रदर्शन किया है।यात्री–केंद्रित पहलों के तहत भा वि प्रा द्वारा बेहतर सुविधाएं एवं आधुनिक सेवाओं के माध्यम से यात्रियों को सहज एवं आरामदायक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। अयोध्या हवाई अड्डे पर एटीएम सेवाएं जोड़ी गई हैं तथा नए थ–ठ आउटलेट्स भी प्रारंभ किए गए हैं।भविष्य की योजनाओं के तहत ।।ए द्वारा वर्ष 2024–25 से 2028–29 तक ध25,000 करोड़ के निवेश की योजना बनाई गई है, जिससे देशभर में विमानन अवसंरचना को और सुदृढ़ किया जाएगा। डिजिटल एवं स्मार्ट पहलों के अंतर्गत 24 हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा प्रारंभ की जा चुकी है .

पर्यावरणीय स्थिरता पर बल देते हुए हरित ऊर्जा के उपयोग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा एवं पर्यावरण–अनुकूल उपाय अपनाए जा रहे हैं।अयोध्या हवाई अड्डे ने ग्राहक संतुष्टि सूचकांक रेटिंग में उल्लेखनीय सुधार करते हुए 34वें स्थान से 10वें स्थान तक पहुंच हासिल की है, जो यात्रियों को प्रदान की जा रही उत्कृष्ट सेवाओं का प्रमाण है। तथा ळत्भ्। रेटिंग 4 हासिल हुई है, जिसे आगे बढ़ाकर 5 करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। साथ ही, Build India Organization द्वारा हवाई अड्डे को Impactful Project of the Year Award" से सम्मानित किया गया है।यात्रियों की सुविधा हेतु मुफ्त WiFi व ATM सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है, निकट भविष्य में Flybrary एवं बच्चों के लिए Kid Zone जैसी सुविधाएं भी प्रारंभ की जाएंगी। इसके अतिरिक्त न्च।छ यात्री कैफे (किफायती एवं स्वच्छ भोजन सुविधा) की शुरुआत भी शीघ्र की जाएगी।यह आयोजन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की उत्कृष्ट सेवाओं, प्रतिबद्धता एवं प्रगतिशील दृष्टिकोण का परिचायक है।

रुदौली पुलिस ने हाईवे पर वाहनों का शीशा तोड़कर चोरी करनें वाले तीन अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या रुदौली पुलिस ने हाइवे पर वाहनों का शीशा तोड़कर चोरी की वारदात करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रुदौली संजय मौर्य ने बताया कि एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के दिशा निर्देश पर इस समय अपराध नियंत्रण व महिलाओं एंव बालकों की सुरक्षा के दृष्टिगत चलाये जा रहे विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत थाना क्षेत्र रुदौली में पिछले दिनों यादव होटल लोहिया पुल पर खड़ी गाड़ी का शीशा तोड़कर 40 हजार रूपये, एक मंगल सूत्र, एक पीली धातु की चेन, दो पीली धातु की ईयर रिंग, तीन पीली धातु अंगूठी, एक पीली धातु अंगूठी ,दो पीली धातु नाक की रिंग, एक जोड़ी सफेद धातु की बिछिया व जरूरी कागजात चोरी की घटना हुई थी।जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 487ध25 धारा 303(2) बी.एन.एस.पंजीकृत हुआ।आपरेश त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कैमरों एंव कोतवाली रुदौली व सर्विलांस की संयुक्त टीम के अथक प्रयास से घटना का सफल खुलाशा हुआ। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अभिमन्यु पुत्र सूरज निवासी मकान नं0 896 शीतला माता मंदिर सी–1 कालोनी मदनगिरी थाना अम्बेडकरनगर , नई दिल्ली,विजय पुत्र श्रीनिवास निवासी मकान नं0 896 शीतला माता मंदिर सी–1 कालोनी मदनगिरी थाना अम्बेडकरनगर , नई दिल्ली व मल्लिगा पत्नी श्रीनिवास निवासी मकान नं0 896 शीतला माता मंदिर सी–1कालोनी मदनगिरी थाना अम्बेडकरनगर , नई दिल्ली के रूप में हुई। इन आरोपियों के पास से आभूषण सहित अन्य सामान बरामद हुए।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह के सदस्यों द्वारा गाडी का नम्बर प्लेट बदलकर लखनऊ, बाराबंकी , अयोध्या , बस्ती , खलीलाबाद , गोरखपुर मेन रोड़ पर स्थित भीड़–भाड़ वाली दुकान पर चाय नाश्ता के बहाने रूकते है तथा खड़ी गाडी से दरवाजा खोलकर ध खिड़की का शीशा लोहे के यन्त्र से तोड़ कर अन्दर रखे बैगध्पर्स को निकाल लेना तथा मोबीआयल दूसरो के गाड़ियो के इंजन के पास थोडा गिरा देते है और उसको बताने लगते है कि आपके गाड़ी के इंजन से तेल चू रहा है आदमी जब गाड़ी से उतर कर तेल देखने लगता है उसी बीच मौका पाकर गाडी में रखे पर्सध्बैग को निकाल लेना तथा कभी कभार सून सान जगहो पर स्थित घरो में चोरी करना इनका मुख्या पेशा है। इन आरोपियों को गिरफ्तार करने में संजय मौर्य (प्रभारी निरीक्षक थाना को0रुदौली जनपद अयोध्या,युवराज सिंह (चौकी प्रभारी भेलसर),उ0नि0 अभिषेक सिंह (चौकी प्रभारी शुजागंज),म0उ0नि0 स्तुति गुप्ता साहित्य अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

एसएसपी ने एसपी ग्रामीण व एसपी सिटी के साथ किया पुलिस लाइन के विभिन्न शाखोंओ का निरीक्षण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या ।बुधवार को एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के साथ पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्हें सब कुछ

ओके मिला।जहां पर कुछ कमियां दिखाई दी उसे ठीक करने के लिए उन्होंने उससे संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिये।उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन स्थित पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं शिकायत प्रकोष्ठ, वाचक कार्यालय, डीसीआरबी, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा तथा मॉनीटरिंग सेलकृका निरीक्षण किया।

'मोटे अनाजों को बढ़ावा देने हेतु प्रसंस्करण, पैकिंग ,सह विपणन केंद्र का लोकार्पण'

ब्यूरो चीफ– आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर ।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार की परियोजना के अंतर्गत एक मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकिंग ,सह विपणन केंद्र का लोकार्पण, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कर्नल बिजेंद्र सिंह के कर कमलों द्वारा हुआ।मोटे अनाजों के प्रसंस्करण का यह एक अनूठा केंद्र साबित होगा जिसमें ज्वार बाजरा रागी आदि मिलेट्स को किसानों से खरीद कर उसका प्रसंस्करण व पैकिंग कर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मिलेट्स के प्रसंस्करण की आधुनिक मशीनों को यहां स्थापित किया जाएगा। तथा उनके मूल्य संवर्धित खाद्य पदार्थ बनाने हेतु भी मशीनों की व्यवस्था की जाएगी। परियोजना की मुख्य अन्वेषक अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डॉक्टर साधना सिंह जी ने बताया कि मोटे अनाज हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं किंतु इनका उपयोग जनसाधारण द्वारा बहुत ही कम मात्रा में किया जाता है यह केंद्र जनसाधारण को मोटे अनाजों के प्रसंस्करण हेतु सुविधा प्रदान करेगा। समय–समय पर इस केंद्र में दिए जाने वाली जानकारी एवं प्रशिक्षण अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। यह केंद्र मोटे अनाजों के उपभोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस परियोजना की सह अन्वेषक का कार्य डॉ अनीशा वर्मा सह प्राध्यापक खाद एवं पोषण विभाग, डॉ आकाश गौरव तथा डॉ अजीत, सहायक प्राध्यापक उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर डी नियोगी,अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ प्रतिभा सिंह ,अधिष्ठाता मत्स्यकी महाविद्यालय डॉ सीपी सिंह, निदेशक प्रसार तथा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष तथा प्राध्यापिकाऐ उपस्थित रहीं।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान अप्रैल 2026 का डीएम, सीडीओ व सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ कार्यालय जिलाधिकारी परिसर से किया गया। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने जागरुकता रैली को रवाना कर लोगों को व्यक्तिगत साफ–सफाई रखने व वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अपने पास–पड़ोस के लोगों को प्रेरित करने की शपथ दिलाई। यह अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तक एवम दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तक चलेगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार सूबे के हर गांव, ब्लॉक व जनपद के साथ–साथ पूरे प्रदेश को दिमागी बुखार से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।इसके लिए 11 विभागों के आपसी समन्वय से जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान 30 अप्रैल तक चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि संचारी रोग हमारे गांव अथवा क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के आर्थिक और पारिवारिक नुकसान का एक बड़ा कारण हो सकते है।अतः हम शपथ लेते हैं कि संचारी रोग से लड़ाई में हम हर संभव प्रयास करेंगे कि हमारा परिवार व समुदाय इन रोगों से मुक्त रहें। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर (आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) घर–घर जाकर बुखार , इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस से ग्रसित लोगों के साथ–साथ संभावित क्षय रोगियों व कुपोषित बच्चों को चिन्हित करेंगी। इसके अलावा वह क्षेत्रवार ऐसे मकानों को सूची बनाएंगी जहां घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो। इस दौरान हाथों की धुलाई और साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखना है।संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष श्रीवास्तव,नोडल अधिकारी वी बी डी डा पी सी भारती सहित स्वास्थ्य विभाग से डिस्ट्रिक्ट एआरओ प्रवीण त्रिपाठी ,डीएचईआईओ,जिला मलेरिया अधिकारी, अर्बन क्षेत्र की आशाएं ,नगर निगम के अधिकारी एवम कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

जरदोजी ने सरोजनी की बदली किस्मत, मिला विशिष्ट प्रादेशिक हस्तशिल्प पुरस्कार

उन्नाव, (संवाददाता)। मियागंज गांव की सरोजनी ने जरदोजी कला में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों को अपनी मेहनत और लगन से अनुकूल बनाया। मात्र तीन साल में ही सरोजनी ने जरदोजी में अच्छी पहचान बना ली है जिसके लिए विशिष्ट हस्तशिल्प प्रादेशिक पुरस्कार मिला है। सरोजनी के पति विद्यासागर के पास मात्र दो बीघे कृषि योग्य भूमि है। परिवार में पत्नी सरोजनी और दो बेटे विकास व राज हैं। केवल दो बीघे जमीन पर खेती से परिवार का भरण–पोषण नहीं हो पा रहा था। विद्यासागर को मजदूरी भी करनी पड़ती थी, फिर भी परिवार की जरूरतें पूरी नहीं होती थीं। आर्थिक तंगी के कारण पत्नी और बच्चों के सपने अधूरे थे। इसी बीच सरोजनी को जरदोजी के काम के बारे में पता चला। उन्होंने जानकारी ली और तीन साल पहले एक समूह से जुड़ीं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।